दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना
आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, मंगलवार 09 मई 2023 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 220

जम्मू-कश्मीर के बाद अब राजस्थान में मिला लिथियम का महाभंडार, 80 फीसदी जरूरतें होंगी पूरी

डेगाना(आरएनएस)। राजस्थान सरकार के अधिकारियों की माने तो राजस्थान के डेगाना (नागौर) में लिथियम के भंडार का पता चला है। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) और खनन अधिकारियों का दावा है कि यहां मिले लिथियम भंडार की क्षमता हाल ही में जम्मू-कश्मीर में मिले लिथियम भंडार से अधिक है।

दावा किया जाता है कि यहां इतना लिथियम है कि भारत की कुल मांग का 80 फीसदी यहीं से पूरा किया जा सकता है। लीथियम के लिए अभी तक भारत चीन पर निर्भर है। अब माना जा रहा है कि चीन का एकाधिकार खत्म होगा और खाड़ी देशों की तरह राजस्थान का भी भाग्य उदय होगा।

लिथियम एक अलौह धातु है, जिसका उपयोग मोबाइल-लैपटॉप, इलेक्ट्रिक वाहन और अन्य चार्जेबल बैटरी बनाने में किया जाता है। भारत पूरी तरह से लिथियम की महंगी विदेशी आपूर्ति पर निर्भर है। अब जीएसआई को डेगाना के आसपास लिथियम का बड़ा भंडार मिला है।

राजस्थान में लिथियम के भंडार डेगाना और उसके आसपास के क्षेत्र की उसी रेनवेट पहाड़ी में पाए गए हैं, जहां से कभी टंगस्टन खनिज की आपूर्ति देश में की जाती थी। ब्रिटिश शासन के दौरान, अंग्रेजों ने डेगाना में रेनवाट की पहाड़ी पर वर्ष 1914 में टंगस्टन खनिज की खोज की।

आजादी से पहले, प्रथम विश्व युद्ध के दौरान यहां उत्पादित टंगस्टन का उपयोग ब्रिटिश सेना के लिए युद्ध सामग्री बनाने के लिए किया जाता था। आजादी के बाद देश में ऊर्जा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में सर्जिकल उपकरण बनाने के क्षेत्र में भी इसका इस्तेमाल किया जाने लगा। उस समय यहां करीब 1500 लोग काम करते थे।

वर्ष 1992-93 में चीन की सस्ती निर्यात नीति ने यहां से निकलने वाले टंगस्टन को महंगा कर दिया। आखिरकार यहां टंगस्टन का उत्पादन बंद कर दिया गया। हर समय आबाद रहने वाली और वर्षों तक टंगस्टन की आपूर्ति कर देश के विकास में सहायक रही यह पहाड़ी एक ही झटके में वीरान हो गई।

उस अवधि के दौरान, जीएसआई और अन्य सरकारी एजेंसियों के अधिकारियों द्वारा निर्मित कार्यालय, घर, बगीचे और यहां तक कि स्कूल भी खंडहर में बदल गए थे। अधिकारियों ने कहा कि अब इस पहाड़ी से निकलने वाला लिथियम राजस्थान और देश का भाग्य बदलेगा।

लिथियम दुनिया की सबसे नर्म और हल्की धातु भी है। सब्जी के चाकू से काटे जाने के लिए पर्याप्त नरम और पानी में डालने पर तैरने के लिए पर्याप्त हल्का। यह रासायनिक ऊर्जा को संग्रहीत करता है और इसे विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित करता है।

लिथियम आज घर में हर चार्जेबल इलेक्ट्रॉनिक और बैटरी से चलने वाले गैजेट में मौजूद है। इसी वजह से दुनिया भर में लिथियम की जबरदस्त डिमांड है। वैश्विक मांग के कारण इसे व्हाइट गोल्ड भी कहा जाता है। एक टन लीथियम की वैश्विक कीमत करीब 57.36 लाख रुपये है।

पूरे विश्व में ऊर्जा परिवर्तन हो रहा है। हर देश ईंधन ऊर्जा से हरित ऊर्जा की ओर तेजी से बढ़ रहा है। एयरक्राफ्ट से लेकर विंड टर्बाइन, सोलर पैनल, इलेक्ट्रिक व्हीकल, मोबाइल और घर में हर छोटे-बड़े चार्जेबल डिवाइस में लीथियम का इस्तेमाल बढ़ रहा है।

विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2050 तक लिथियम धातु की वैश्विक मांग में 500 प्रतिशत की वृद्धि होगी। इस दृष्टि से राजस्थान में लिथियम का अपार भण्डार प्राप्त होना न केवल प्रदेश के लिए अपितु देश की अर्थव्यवस्था के लिए भी अत्यंत लाभदायक है। 21 मिलियन टन का दुनिया का सबसे बड़ा लिथियम भंडार वर्तमान में बोलिविया देश में है। इसके बाद अर्जेंटीना, चिली और अमेरिका में भी बड़े भंडार हैं। इसके बावजूद, चीन, जिसके पास 5.1 मिलियन टन लिथियम का भंडार है, का वैश्विक बाजार में एकाधिकार बना हुआ है।

भारत को भी अपने कुल लिथियम आयात का 53.76 फीसदी हिस्सा चीन से खरीदना पड़ता है। वर्ष 2020-21 में भारत ने 6,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के लिथियम का आयात किया और इसमें से 3,500 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का लिथियम चीन से खरीदा गया। ऐसे में अधिकारियों का मानना है कि राजस्थान में लिथियम के भंडार इतने ज्यादा हैं कि चीन के एकाधिकार को पूरी तरह खत्म किया जा सकता है और देश हरित ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बन सकता है।

महत्वपूर्ण एवं खास

केरल में नाव पलटने से 21 लोगों की मौत, पीएम मोदी ने की पीड़ित परिजनों को दो-दो लाख रुपए देने की घोषणा

तिरुवनंतपुरम (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केरल के मलप्पुरम में बीती शाम नौका दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। प्रधानमंत्री ने ट्वीट कर कहा, केरल के मलप्पुरम में नौका दुर्घटना में लोगों की मौत से आहत हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना। प्रत्येक मृतक के परिजनों को प्रधानमंत्री राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि प्रदान की जाएगी। इस बीच, केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने भी नाव दुर्घटना में मारे गए लोगों के निधन पर शोक व्यक्त किया और बताया कि वह दुर्घटनास्थल का दौरा करेंगे और सोमवार को शोक संतप्त परिवारों से मिलेंगे। गौरतलब है कि रविवार रात मलप्पुरम के तनूर में एक पर्यटक नौका के पलट जाने से पांच बच्चों सहित कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई।

राष्ट्रपति मुर्मू के हेलिकॉप्टर के साथ तस्वीर लेना पड़ा महंगा, फार्मासिस्ट सस्पेंड

भुवनेश्वर (आरएनएस)। ओडिशा के बारिपदा में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के एक कार्यक्रम में बिजली के व्यवधान को लेकर विवाद अभी जारी है, इस बीच मयूरभंज के मुख्य जिला चिकित्सा अधिकारी (सीडीएमओ) ने राष्ट्रपति के हेलीकॉप्टर के साथ तस्वीर खींचने के मामले में एक फार्मासिस्ट को निलंबित कर दिया है। एक अधिकारी ने कि सीडीएमओ डॉ रूपभानु मिश्रा ने राष्ट्रपति के हेलीकॉप्टर के साथ तस्वीर खींचने और उसे फेसबुक पर डालने के मामले में फार्मासिस्ट जशोबंत बेहरा को निलंबित कर दिया है। बेहरा को पांच मई को राष्ट्रपति के सिमिलीपाल नेशनल पार्क के भ्रमण के दौरान उनके चिकित्सा दल में तैनात किया गया था। बेहरा ने कहा, मैंने केवल याद रखने और आनंद के लिए कुछ तस्वीरें मेरे फेसबुक अकाउंट पर लगा दी थीं। मेरा ऐसा करने के पीछे कोई और इरादा नहीं था। हालांकि, मैंने हेलीकॉप्टर की सुरक्षा में लगे वायु सेना के कुछ कर्मियों से इसकी मौखिक अनुमति ली थी। राष्ट्रपति महोदया जैसी महान हस्ती जिले में आई थीं और मैं हैलीपैड पर ड्यूटी में था तो तस्वीरों को स्मृति के तौर पर रखना चाहता था। उन्होंने दावा किया कि फेसबुक खाते से उन्होंने तस्वीरें हटा ली हैं। ये तस्वीरें हेलीकॉप्टर के पास से मोबाइल फोन कैमरे से खींची गई थीं।

उत्तर पश्चिम पाकिस्तान में वैन दुर्घटना में 2 की मौत, 7 घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा (केपी) प्रांत के स्वात जिले में एक यात्री वैन के खाई में गिर जाने से कम से कम दो लोगों की मौत हो गयी और सात अन्य घायल हो गये। बचाव एवं राहत विभाग ने यह जानकारी देते हुये बताया कि हादसा रविवार तडक़े जिले के कबाल इलाके में हुआ जब ब्रेक फेल होने के कारण चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया, जिससे यात्रियों की मौत हो गई। बचाव सेवा ने कहा कि बचावकर्मियों नेघटनास्थल पर पहुंचकर मृतकों और घायलों को स्थानीय अस्पतालों में पहुंचाया। पीड़ितों में दो महिलाएं और आठ साल का एक बच्चा शामिल है। पाकिस्तान में सडक़ दुर्घटनाएं आम है जिसकी मुख्य वजह यहां खराब रखरखाव वाले वाहनों, खस्ताहाल सडक़ों और सडक़ सुरक्षा उपायों की लापरवाही है।

आईएएफ का एमआईजी-21 विमान क्रैश होकर मकान पर गिरा, दोनों पायलट सुरक्षित, 4 नागरिकों की मौत

हनुमानगढ़ (आरएनएस)। राजस्थान के हनुमानगढ़ में वायु सेना का मिग-21 क्रैश हो गया है। जानकारी के अनुसार, उड़ान भरने के 15 मिनट बाद ही तकनीकि खराबी के बाद पायलट ने विमान पर नियंत्रण खो दिया था। हादसे से पहले दोनों पायलट ने खुद को विमान से अलग कर लिया था। हालांकि विमान के एक रिहायशी इलाके में गिरने से इसकी चपेट में आने से 4 ग्रामीण की मौत की खबर सामने आई है। वायुसेना ने पूरे मामले की जांच के आदेश दिए हैं। इससे पहले जनवरी में राजस्थान के भरतपुर में प्रशिक्षण अभ्यास के दौरान भारतीय वायु सेना के दो लड़ाकू जेट एक सुखोई एसयू -30 और एक मिराज 2000 के दुर्घटनाग्रस्त होने सेस पायलट की जान चली गई थी। इनमें से एक हादसा मध्य प्रदेश के मुरैना और दूसरा राजस्थान के भरतपुर में हुआ था।

साइक्लोन मोचा लाएगा तेज आंधी-पानी, हाई अलर्ट पर कई राज्य

कोलकाता (आरएनएस)। बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफान 'मोचा' बन रहा है। इसको लेकर पश्चिम बंगाल में अलर्ट जारी कर दिया गया है। कोलकाता के सभी पुलिस स्टेशनों को जनरेटर की व्यवस्था करने का आदेश दे दिया गया है। यह निर्देश चक्रवात मोचा के लिए लालबाजार में शहर पुलिस मुख्यालय में स्थापित कमांड सेंटर द्वारा तैयार मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का हिस्सा है। एसओपी ने आपदा प्रबंधन समूह (डीएमजी) को हाई अलर्ट पर रखा है। बंगाल में चक्रवाती तूफान के असर से 10 मई को कुछ जगहों पर 70-80 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। ओडिशा सरकार ने 18 तटीय और आसपास के जिलों को सतर्क कर दिया है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, न्यू टाउन के अधिकारी चक्रवात की तैयारी में सडक़ों से पेड़ों की शाखाओं को हटाने के लिए 100 से अधिक पंप, सैंडबैग (नहर के किनारों की ऊंचाई बढ़ाने के लिए) और उपकरणों से लैस टीमों को तैयार कर रहे हैं। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि कलकत्ता पुलिस के सभी नौ डिवीजनों के उपायुक्तों को जर्जर इमारतों की पहचान करने और अतिरिक्त कर्मियों की व्यवस्था करने के लिए कहा गया है।

मीडिया की एक रिपोर्ट में मौसम विभाग के सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि गुरुवार तक कोलकाता में बारिश की संभावना कम है। इसके अलावा कोलकाता में कंट्रोल रूम खोले गए हैं और चक्रवाती तूफान से जुड़े पहलुओं पर गहरी नजर रखी जा रही है। दरअसल, आशंका जताई जा रही है बंगाल में चक्रवाती तूफान का लैंडफॉल हो सकता है। ऐसे में पहले से ही सतर्कता बरती जा रही है।

बंगाल के दक्षिण हिस्सी में बुधवार तक बारिश की संभावना नहीं के बराबर है। हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि मोचा चक्रवात कहां टकराएगा। वहीं अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में मोका के चलते भारी बारिश की संभावता जताई गई है। पर्यटकों और मछुआरों के लिए भी चेतावनी जारी की गई है। इन द्वीप से सटे समुद्र में मछुआरों की आवाजाही सोमवार से गुरुवार तक प्रतिबंधित है।

मणिपुर में फंसे आंध्र के 157 छात्रों को किया जाएगा एयरलिफ्ट

अमरावती (आरएनएस)। हिंसा प्रभावित मणिपुर में फंसे आंध्र प्रदेश के कुल 157 छात्रों को सोमवार को एयरलिफ्ट किया जाएगा। आंध्र प्रदेश सरकार ने फंसे छात्रों के लिए दो अतिरिक्त उड़ानों की व्यवस्था करने के लिए केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अधिकारियों के साथ समन्वय किया, जिनमें से एक हैदराबाद के लिए और दूसरी कोलकाता जाएगी। फ्लाइट नंबर 6 ई 3165 (ए320) 106 छात्रों को लेकर हैदराबाद में दोपहर 12:45 बजे उतरेगी। जबकि 55 छात्रों को दूसरी फ्लाइट 6ई 3152 (ए320) से कोलकाता लाया जाएगा।

अधिकारियों ने कहा कि कोलकाता पहुंचने वाले छात्रों को तीन अलग-अलग फ्लाइट से हैदराबाद लाया जाएगा। शाम 6 बजे 775 बजे तक कुल 27 छात्र दोपहर 01:10 बजे हैदराबाद पहुंचेंगे। 15 छात्रों का दूसरा बैच 6ई 874 (ए321) से दोपहर 03:55 बजे हैदराबाद पहुंचेगा। शेष 13 छात्र 6ई 6528 तक रात 11 बजे हैदराबाद पहुंचेंगे।

मणिपुर में चल रही कानून और व्यवस्था की स्थिति के बीच, आंध्र प्रदेश के 160 से अधिक छात्र वर्तमान में एनआईटी, आईआईआईटी और मणिपुर में केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में पढ़ रहे हैं। राज्य सरकार ने कहा कि वह फंसे छात्रों की हर तरह से मदद करने के लिए प्रतिबद्ध है। छात्रों और उनके परिवारों (011-23384016, 011-23387089) के बीच संपर्क स्थापित करने के लिए आंध्र प्रदेश भवन, नई दिल्ली में दो हेल्पलाइन नंबर स्थापित किए गए थे।

अधिकारियों ने कहा कि आंध्र प्रदेश भवन के नियंत्रण कक्ष से एकत्र किए गए डेटा ने 160 से अधिक छात्रों के ठिकाने पर नजऱ रखने में मदद की, जिससे सभी छात्रों के सुरक्षित मार्ग को सुनिश्चित करने के प्रयासों किए जा सके।

आंध्र प्रदेश भवन के दो अधिकारियों की एक टीम को छात्रों को लाने और हैदराबाद के लिए कनेक्टिंग फ्लाइट में उनकी सहायता करने के लिए कोलकाता हवाई अड्डे पर प्रतिनियुक्त किया गया है। आंध्र प्रदेश सरकार ने छात्रों को लेने और उन्हें आंध्र प्रदेश में उनके संबंधित गृहनगर छोडऩे के लिए हैदराबाद हवाई अड्डे पर एपीएसआरटीसी बसों की भी व्यवस्था की है। आंध्र प्रदेश सरकार छात्रों के हवाई अड्डे तक सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित करने के लिए मणिपुर सरकार के साथ समन्वय कर रही है।

केदारनाथ धाम : अब होगा घोड़े व खच्चरो का संचालन

देहरादून (आरएनएस)। केदारनाथ धाम यात्रा वर्ष 2023 के सफल संचालन तथा यात्रियों की सुरक्षा व सुविधा को देखते हुए उत्तराखण्ड शासन ने कुल 5000 अश्ववंशीय पशु की क्षमता जिसमें 4000 यात्रा एवं 1000 सामग्री ढुलान हेतु निर्धारित की गई है।

फिलहाल लगभग 5100 यात्रा हेतु तथा 1300 माल ढुलान हेतु घोड़ा खच्चर पंजीकृत किये जा चुके हैं। चूंकि आगामी दिनों में यात्रियों की संख्या में निरन्तर वृद्धि होने की सम्भावना है। यदि पंजीकृत घोड़े खच्चरों की संख्या तय की गई तो वर्तमान में पंजीकृत घोड़े खच्चरों पर प्रतिदिन यात्रियों को लाने तथा जाने का दबाव पड़ेगा, जिससे आराम न मिलने की स्थिति में उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। घोड़े खच्चरों के स्वास्थय व यात्रियों की मांग की आपूर्ति के दृष्टिगत अधिक संख्या मे घोड़े खच्चरों का पंजीकरण किये जाने की आवश्यकता है।

बदले की आग में पिता ने बेटे के हत्यारे को दिलाई जमानत, फिर सिर में 3 गोलियां मारकर कर दी हत्या

लखीमपुर खीरी (आरएनएस)। यूपी के लखीमपुर खीरी में हैरान कर देने वाली वारदात सामने आई है। यहां एक शख्स ने अपने बेटे की हत्या का बदला लेने के लिए पहले हत्यारे को वकील की मदद से रिहा करवाया और फिर उसे मौत के घाट उतार दिया। बेटे का हत्यारा शख्स का एक नजदीकी रिश्तेदार था।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार मितौली इलाके में एक 50 वर्षीय किसान के 14 वर्षीय बेटे की हत्या उसकी पत्नी और एक करीबी रिश्तेदार ने की थी। शुक्रवार रात 47 वर्षीय शत्रुघ्न लाला के सिर में तीन गोलियां मारी गईं और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार काशी की पत्नी ने 2021 में लाला की मदद से अपने ही बेटे जितेंद्र की हत्या कर दी थी। जब लडक़े ने दोनों को कथित तौर पर आपत्तिजनक स्थिति में देखा था। उस समय 50 वर्षीय किसान एक अलग मामले में जेल में था।

पुलिस ने कहा कि महिला और लाला को बाद में नाबालिग की हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था, लेकिन काशी हमेशा अपने बेटे की मौत का बदला लेना चाहता था। माना जा रहा है कि दिसंबर 2022 में जेल से बाहर आने के बाद, काशी ने एक वकील को काम पर रखकर लाला की जमानत सुनिश्चित की। लाला को अप्रैल के पहले सप्ताह में जमानत मिल गई थी और तभी से काशी उसे मारने के लिए मौके की तलाश में था।

पुलिस ने कहा कि उन्होंने मामले में काशी के खिलाफ सबूत बरामद किए हैं। काशी खीरी जिले में बंद था और एक स्थानीय विवाद में 2020 हुई हत्या के मामले में सह-आरोपी था। साल 2021 में उसका 14 साल का बेटा जितेंद्र अचानक घर से गायब हो गया। कुछ दिन बाद उसका शव नदी के किनारे पड़ा मिला था। पुलिस को लगा कि शायद जितेंद्र की मौत डूबने की वजह से हुई, इसलिए कोई मामला नहीं दर्ज किया गया।

केंद्र सरकार का आदेश, सभी मोबाइल फोन में एफएम रेडियो एक्टिव होना जरूरी करें आईसीईए, एमएआईटी

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्र सरकार ने इंडियन सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) और मैन्युफैक्चर्स एसोसिएशन फॉर इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (एमएआईटी) से यह सुनिश्चित करने को कहा है कि प्राकृतिक आपदाओं के दौरान लोगों की मदद के लिए एफएम रेडियो सभी मोबाइल फोन पर उपलब्ध हो। आईटी मंत्रालय ने एक एडवाइजरी में कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि जहां भी मोबाइल फोन इनबिल्ट एफएम रेडियो रिसीवर फंक्शन या फीचर से लैस है, वह फीचर अक्षम या निष्क्रिय नहीं है, बल्कि मोबाइल फोन में सक्षम/सक्रिय रखा गया है। आगे, यह सलाह दी जाती है कि अगर एफएम रेडियो रिसीवर फंक्शन या सुविधा मोबाइल फोन में उपलब्ध नहीं है, तो इसे शामिल किया जा सकता है। मेइटवाई ने आईसीईए और एमएआईटी को बताया, उन्हें सभी मोबाइल फोन निर्माताओं/ब्रांडों के बीच प्राथमिकता पर सलाह प्रसारित करने के लिए कहा। इस कदम से लोगों को प्राकृतिक आपदाओं के दौरान दूर-दराज के क्षेत्रों में रेडियो सेवा के माध्यम से जानकारी प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

आईटी मंत्रालय ने कहा कि पिछले 4-5 वर्षो के दौरान एफएम ट्यूनर सुविधा वाले मोबाइल फोन में भारी गिरावट आई है, जिससे न केवल गरीबों की मुफ्त एफएम रेडियो सेवा प्राप्त करने की क्षमता प्रभावित हुई है, बल्कि आपात स्थिति और आपदाओं के दौरान सरकार की प्रसार करने की क्षमता भी प्रभावित हुई है। मंत्रालय ने कहा, एफएम प्रसारण एक मजबूत और विश्वसनीय संचार प्रणाली है। एफएम स्टेशन स्थानीय अधिकारियों और प्राकृतिक आपदाओं (विनाशकारी स्थितियों में) के समय लोगों के बीच महत्वपूर्ण संचार लिंक के रूप में काम करते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू) के अनुसार, आपातस्थिति और आपदा के समय में रेडियो प्रसारण प्रारंभिक चेतावनी देने और लोगों को जीवन बचाने के लिए सतर्क करने के सबसे शक्तिशाली और प्रभावी तरीकों में से एक है।

इसके अलावा, आपदाओं के दौरान एफएम-सक्षम मोबाइल फोन (नियमित स्टैंडअलोन रेडियो सेट और कार रिसीवर के अलावा) के माध्यम से त्वरित, समय पर और विश्वसनीय संचार की आवश्यकता है, क्योंकि इससे कीमती जीवन, आजीविका को बचाया जा सकता है और आपदाओं से निपटने के लिए हमें बेहतर तरीके से तैयार भी किया जा सकता है। मंत्रालय ने अपनी एडवाइजरी में कहा, देश में एफएम ट्रांसमीटर और एफएम रेडियो के विशाल नेटवर्क की उपलब्धता ने कोविड-19 महामारी के खिलाफ भारत की लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।